Madhya Pradesh Medical Science University, Jabalpur
BAMS 1st Prof. Examination Sep-2023
Subject- संहिता अध्ययन - I (New Scheme)
Paper Code- 23AA0000101441

Time:3 Hours **Maximum Marks:100**

नोट:-

1.सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।
2.प्रश्नों का आवश्यकतानुसार सचित्र वर्णन करें।
3. प्रश्न पत्र के खाली भाग पर कुछ भी न लिखें अन्यथा अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
4. विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिख सकते हैं।

प्र.1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न– (20×01=20)

1- शस्त्रादिसाध्य ..... है। वाग्भट्टानुसार
(अ) सुखसाध्य व्याधि (ब) कृच्छसाध्य व्याधि (स) याप्य व्याधि (द) सभी

2- दंतधावन काल है। वाग्भट्टानुसार
(अ) 2 (ब) 3 (स) 1 (द) 8

3- वर्षा ऋतु में त्याज्य है–
(अ) नदी का जल (ब) उदमंथ (स) आतप (द) सभी

4- चरकानुसार आधारणीय वेगों की संख्या है–
(अ) 12 (ब) 13 (स) 14 (द) 18

5- आमाजीर्ण में दोष प्राधान्य है–
(अ) वात (ब) पित्त (स) कफ (द) त्रिदोष

6- ..... कर्म निष्ठया।
(अ) वीर्य (ब) विपाक (स) प्रभाव (द) रस

7- हद्य रस है–
(अ) अम्ल (ब) लवण (स) कटु (द) तिक्त

8- 'मलों का क्षय वृद्धि की अपेक्षा अधिक कष्टकर है' उक्त कथन-
(अ) सत्य है (ब) असत्य है
(स) अवस्था पर निर्भर है (द) स्रोतस पर निर्भर है

9- नौ मास तक गर्भ का धारण करना, कर्म है–
(अ) अपान वायु का (ब) साधक पित्त का (स) अवलम्बक कफ (द) प्राण वायु का

10- औषध सेवन काल है–
(अ) 3 (ब) 5 (स) 8 (द) 10

11- किस ऋतु में सभी का बृंहण करना चाहिए–
(अ) वर्षा (ब) शरद (स) ग्रीष्म (द) शिशिर

12- मूलिनी द्रव्यों की संख्या है–
(अ) 6 (ब) 8 (स) 16 (द) 19

13- किस ऋतु में हंसोदक का वर्णन आता है–
(अ) ग्रीष्म (ब) शिशिर (स) शरद (द) हेमन्त

14- नित्य प्रयोज्य अंजन है–
(अ) सौवीराञ्जन (ब) रसाञ्जन (स) काजल (द) वर्ति

15- किस अधारणीय वेग के धारण से कुष्ठ होता है–
(अ) निद्रा (ब) श्वास (स) कास (द) वमन

16- पंचपंचक में इन्द्रिय द्रव्य की संख्या है–
(अ) 3 (ब) 5 (स) 10 (द) 25

17- वैद्य की वृत्तियाँ है–
(अ) 2 (ब) 3 (स) 4 (द) 6

18- किस व्याधि में अरिष्ट लक्षण उत्पन्न होते है–
(अ) सुखसाध्य (ब) कृच्छ्रसाध्य (स) याप्य (द) अनुपक्रम

19- आप्त वचन है–
(अ) सत्य (ब) असत्य (स) दुर्लभ (द) दृष्टार्थ

20- वात नानात्मज रोगों की संख्या है–
(अ) 20 (ब) 40 (स) 60 (द) 80

HIGHLY CONFIDENTIAL DOCUMENT EDC-111, @ 10/11/2023 2:20:49 PM

2. **लघुउत्तरीय प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न करना अनिवार्य है।**

a. चतुष्पाद का उल्लेख करे । वाग्भट्टानुसार

b. धूमपान का वर्णन करें।

c. व्यायाम का उल्लेख करे।

d. पित्त के क्षय और वृद्धि के लक्षण लिखें।

e. चरकानुसार मूत्र वर्ग का वर्णन करें।

f. चरकानुसार पंचविध कषाय कल्पना का वर्णन करें।

g. मधुर रस के लक्षण, कर्म और मधुर स्कन्ध के द्रव्य लिखें।

h. द्विविध उपक्रम का वर्णन करें।

3. **दीर्घउत्तरीय प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न करना अनिवार्य है।**

a. चरकानुसार महाचतुष्पाद की उपयोगिता सिद्ध करते हुए चतुष्पाद का वर्णन करें।

b. ऋतु अनुसार दोषों का प्रभाव लिखते हुए, हेमन्त ऋतु चर्या का वर्णन करें।

c. वात के गुण, कर्म, स्थान, प्रकार, लिखते हुए महत्व बताए।

d. आम का वर्णन करते हुए आमदोषों के भेदानुसार लक्षण व चिकित्सा का वर्णन करें।